नौ दुर्गा की नौ रात सुहानी घर घर मे पुजे तोखे अम्बे भवानी

नौ दुर्गा की नौ रात सुहानी,
घर घर मे पुजे तोखे अम्बे भवानी।bd।

सुबह शाम मैय्या थारी आरती उतारा,
आरती उतारा ने तुमखे मनावा,
जगमग जोत थारी जले सुहानी,
घर घर मे पुजे तोखे अम्बे भवानी।bd।

मैय्या की चुनर चम चम चमके,
थारो यो रूप माय दम दम दमके,
मैय्या की सोभा कसी लगे सुहानी,
घर घर मे पुजे तोखे अम्बे भवानी।bd।

नौ दिन माय थारो गरबों मनावा,
गरबा की धुन सुन गरबी रमावा,
बागवान गाय थारी राग सुहानी,
घर घर मे पुजे तोखे अम्बे भवानी।bd।

नौ दुर्गा की नौ रात सुहानी,
घर घर मे पुजे तोखे अम्बे भवानी।bd।

प्रेषक – घनश्याम बागवान सिद्दीकगंज।
7879338198

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com